जब तक कि पूंजी निर्माण तीव्र दर से न हो। इसलिए आर्थिक विकास के लिए पूंजी निर्माण दर में वृद्धि आवश्यक है

6. बाजार का विस्तार

पूंजी निर्माण से बाजार का विस्तार होता है और गुणक - त्वरक - अन्तक्रिया द्वारा आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

7. भुगतान शेष की समस्या का अन्त

अल्प विकसित देश प्राय: प्राथमिक वस्तुओं जैसे खनिज पदार्थ, कृषि वस्तुएं आदि का निर्यात करते हैं और निर्मित व अर्द्धनिर्मित उपभोक्ता पूंजीगत वस्तुओं का आयात करते हैं। इससे इनका भुगतान शेष सदैव प्रतिकूल बना रहता है। लेकिन पूंजी निर्माण के द्वारा इस समस्या का अन्त हो जाता है।

पूंजी निर्माण में कठिनाइयाँ

1. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि

जनसंख्या में वृद्धि के कारण उपभोग प्रवृत्ति बहुत तीव्र हो जाती है तथा बचत की संभावनाएं कम से कम हो जाती हैं। जिससे पूंजी निर्माण में कठिनाइयाँ होती है।

2. असंतुलित विकास

अर्द्धविकसित देशों में उत्पादन का उद्देश्य सामाजिक लाभ नहीं होकर व्यक्तिगत लाभ अधिक रहता है जिससे अर्थव्यवस्था में असंतुलित विकास हो जाता है फलस्वरूप अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग तथा एक दूसरे के पूरक के रूप में काम करने का अभाव होता है। जिससे अर्थव्यवस्था में उत्पादन वृद्धि होने से कठिनाइयाँ उत्पन्न हो जाती है।

Dr Sandhya Rani
Dept of Economics
Maharaja College

पूंजी निर्माण दर का निम्न होना : कारण एवं निदान
Low Rate of Capital Formation : Causes and Cure

आर्थिक वृद्धि का महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व पूंजी निर्माण दर होता है। समाज की व्यक्ति अपने संपूर्ण उत्पादक क्रियाओं को केन्द्रित नहीं करता बल्कि भविष्य के समृद्धि के लिए पूंजीगत वस्तुओं के निर्माण, शिक्षा के स्तर में सुधार, स्वास्थ्य स्तर में सुधार, वैज्ञानिक शोध आदि के निर्माण के लिए भी विनियोग करता है जिससे पूंजी निर्माण होता है।

$$\text{पूंजी निर्माण दर} = \frac{\text{बचत की मात्रा}}{\text{पूंजी की मात्रा}}$$

$$\text{अर्थात्}\quad K = \frac{S}{K}$$

जहाँ K = पूंजी निर्माण दर, K = पूंजी की मात्रा, S = बचत की मात्रा

जब K स्थिर है, तब S में वृद्धि से K में भी वृद्धि होती है। अर्द्धविकसित देशों में पूंजी निर्माण दर निम्न रहता है जिससे आर्थिक विकास दर निम्न हो जाता है इसके निम्नलिखित कारण है

1. निम्न आय

अर्द्धविकसित देशों में कृषि तथा उद्योग दोनों पिछड़ा हुआ रहता है जिसके फलस्वरूप राष्ट्रीय उत्पादन निम्न स्तर पर रहता है फलस्वरूप आय का स्तर भी निम्न रहता है। जनाधिक्य की समस्या रहने के कारण प्रतिव्यक्ति आय निम्न हो जाता है। फलतः सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति इकाई के निकट रहता है और व्यक्ति को बचत करना संभव नहीं होता है।

$$MPC = \frac{\Delta C}{\Delta Y} \rightarrow 1$$

बचत कम होने के कारण पूंजी निर्माण दर निम्न रहता है।

2 निम्न उत्पादकता

विकासशील देशों में कुशल श्रमिक एवं उच्च तकनीकि ज्ञान का अभाव रहता है जिसके फलस्वरूप साधनों का अल्प उपयोग होता है। पूंजी की अपर्याप्तता के कारण

उत्पादकता का स्तर निम्न रहता है। उत्पादकता के निम्न स्तर को राष्ट्र में आय एवं बचत की वृद्धि दर कम हो जाती है। जिससे अर्थव्यवस्था पूँजी निर्माण दर निम्न हो जाता है।

3. आय के वितरण की विषमता

आय की विषमता के कारण अर्थव्यवस्था में अधिकतम बचत नहीं होता है फलस्वरूप निवेश भी कम हो जाता है और पूँजी निर्माण दर निम्न हो जाता है।

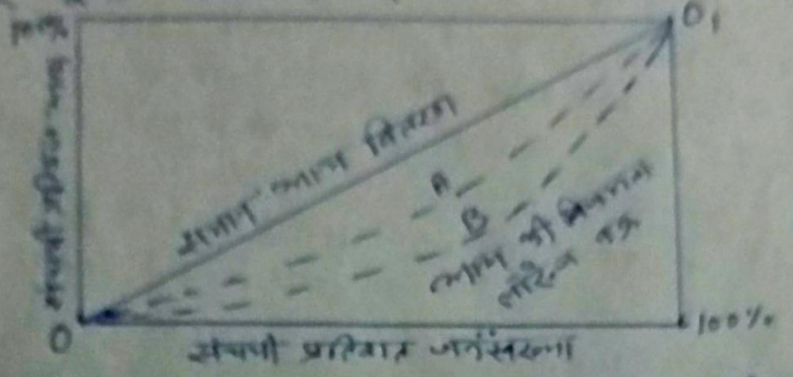

उपर्युक्त चित्र में OAO' रेखा पर आय की विषमता कम है जबकि OBO' रेखा पर आय की विषमता अधिक है इन दोनों रेखाओं को लॉरेंज वक्र कहते है।

4. जनांकिकीय प्रवृत्ति

विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि दर तीव्र रहती है। राष्ट्र का अधिकांश साधन बड़े जनसंख्या के भरण पोषण पर ही खर्च हो जाता है। बच्चे की संख्या अर्द्धविकसित देशों में

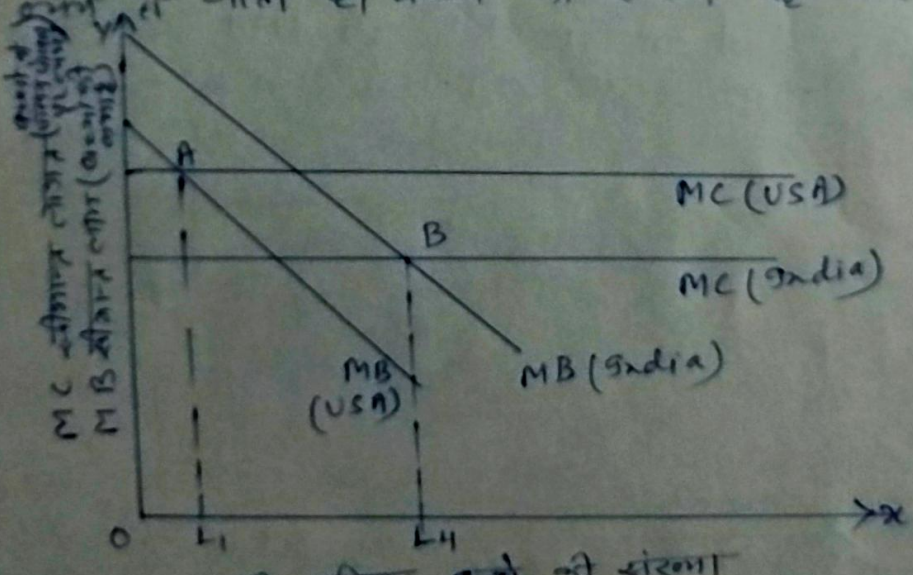

विकसित देशों की तुलना में बहुत अधिक सस्ती है। उपयुक्त चित्र में सीमान्त लाभ एवं सीमान्त लागत को स्पष्ट किया गया है। चित्र में A बिन्दु पर विकसित देश में MB = MC तथा OL_1 बच्चों की संख्या तथा B बिन्दु पर अर्द्ध विकसित देश में MB = MC तथा OL_2 बच्चों की संख्या को दर्शाया गया है। इससे स्पष्ट है कि विकासशील देश में बच्चों के भरण पोषण लागत कम रहता है जबकि बच्चों के मजदूरी के रूप में सीमान्त लाभ अधिक रहता है जिससे प्रति परिवार बच्चों की संख्या अधिक रहती है। इसके विपरीत विकसित देशों में भरण पोषण पर अधिक मजदूरी से लाभ नगण्य रहता है जिससे प्रति परिवार बच्चों की संख्या कम रहती है।

बच्चों की संख्या अधिक रहने से राष्ट्रीय आय का अधिकांश भाग इस पर व्यय होता है जो अनुत्पादक व्यय है। बचत का स्तर निम्न रहता है और पूंजी निर्माण दर भी निम्न हो जाता है।

5. प्रदर्शन - प्रभाव

विकसित देशों के उँचे जीवन स्तर एवं विलासिता अनुसरण करने के कारण विलासीता वस्तुओं पर अत्यधिक व्यय होने लगता है और बचत स्तर निम्न हो जाता है जिससे पूंजी निर्माण दर निम्न हो जाता है।

6. तकनीकी पिछड़ापन

विकासशील देशों में तकनीकी पिछड़ापन रहने से औसत उत्पादकता निम्न रहता है जिससे देश में आय कम ते-